IAS Mentorship

With Reyasat Ali sir & Experienced team in CSE prep

CSE Main 2023: Mini Mock Test 1

Syllabus:	• Modern History ✓	
Name of Candidate	Mohan Mangaw q	
Email Id		
Date	03/07/23	Medium: Hindi / English
Time: 1 Hour	Start Time: 7:45	End Time: 9:16 PM

Q. No.	Max. Marks	Marks obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	15	
5	15	
6	15	
7	15	
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
Total	90	
Invigilator	Signature	

WhatsApp/Telegram/Text/Call: 8090528260

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

	Excellent	Good	Average	Unsatisfied
Introduction				
Conceptual Understanding				
Contextual Clarity				
Content Enrichment				
Presentation				
Alignment				
Contextual Justification				

overall a good attempt

work on presentation but try to include more diagrams and slowe charts

structure is ok

content enrichment need to be done

time line is missing try to include it

Q1. Post 1857 scenarios like the rise of nationalism, formation of congress and emergence of Gandhi helped to redefine the peasant movements in the twentieth century. Discuss 150 words

कृषक आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के अभिन्न अंग रहे हैं परन्तु 1857 की क्रांति के बाद कृषक स्वरूप में क्रांतिकारी परिवर्तन आये। इन्होंने इन आंदोलनों को पुनः परिभाषित किया।

20वीं शताब्दी में आये परिवर्तन

- नेतृत्व की कमी पूरी होने लगी
  - चंपारण - गांधी, बारदोली - सरदार पटेल
- राष्ट्रीय हितों के साथ एकाकार
  - कृषि आधारित अर्थव्यवस्था
- स्वदेशी व असहयोग आंदोलनों ने शुरुआती किसान आंदोलनों को बदला दिया।
- गांधी की शुरुआती आंदोलनों में जीत
- कांग्रेस के घोषणापत्रों में कृषि सुधार
- अवध किसान सभा व अखिल किसान सभा ने जागरूकता किसानों का कार्य किया ⇒ केरल

basically u have already stated what's given in the question avoid it instead start with some of the example of pre 1857 farmers revolts like kol etc

year

also agriculture revolts became synonymous to freedom struggle

include example of some of the agriculture union formed at that time

में कृषक संघों का निर्माण, एन.जी. रंगा द्वारा जागरूकता कैंप।

परन्तु इसके बावजूद समस्याएं बनी रही -

1) निरन्तर पड़ते अकाल → 1918 का गुजरात

2) कृषि वाणिज्यीकरण ने भू-प्रतिरूप को बदला

3) विदेशी बाजारों से एकीकरण ने बिचौलिया को तो फायदा लेकिन किसान परेशान।

4) कांग्रेस द्वारा केवल आंदोलनों में ग्रामीण स्वर्ग → स्वदेशी आंदोलन मुख्यतः शहरों तक

5) अकाल आयोगों (मैक्सवेल 1927) जैसे द्वारा भारतीय परिस्थितियों का मूल्यांकन नहीं

6) स्थायी बंदोबस्त जैसे सुधारों के कारण जमींदारी व्यवस्था पड़ी ⇒ भूमि केन्द्रीयता व लगान दर काफी उच्च रही।

इस प्रकार नील आंदोलनों से शुरू हुई यह किसान आंदोलन प्रक्रिया 20 वीं सदी में भी जारी रही लेकिन कोई ठोस हल न तो स्वतंत्रता पूर्व निकला और न ही आज 21 वीं सदी में।

also 1943 bengal draught

exploitation of farmers continued unabated under the hand of zamindars

link with bhudan andolan that try to. solve this issue

less womeñ participation begar etc needs to be mentioned 3.5/10

Q2. Gandhian ideas of non-violence, satyagraha, Sarvodaya, swaraj etc have left an indelible impact on human history. Discuss 150 words

गांधी का अहिंसा [illegible] संघर्ष प्रतिरूप हीगल-होब्स [illegible] के विपरीत है तथा बिना हिंसा के [illegible] संघर्ष को बढ़ावा देते हैं [illegible] तत्कालीन बल्कि आज तक [illegible] पर प्रभाव दृष्टिगोचर है।

good introduction mention his thoughts to be based on unto the last and sarvodaya philosophy of Leo Tolstoy

गांधीवादी आदर्शों का प्रभाव

अहिंसा 1) संघर्ष को [illegible] समस्या [illegible] खून से ना हल करके [illegible] परिवर्तन द्वारा

2) 'आँख के बदले आँख [illegible]' सिद्धान्तों की [illegible]

3) भारतीय संविधान का अनु. 50 भी वैश्विक शांति व अहिंसा परमो धर्म की वकालत की वकालत करता है।

example of the movements inspired by Gandhiji philosophy have to be mentioned like Nelson mandela anti apartheid movement in south africa

सत्याग्रह • गांधी सत्याग्रह द्वारा अन्यायी के प्रति हृदय-भाव से प्रेम करते हैं

IAS Mentorship
By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

his thoughts on cleanliness has been replicated in swach Bharat abhiyan

example needs to be more contextual more examples as stated above needs to be incorporated

his thoughts and than example should have been the framework

structure and presentation are ok

3/10

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8999528395 Telegram WhatsApp Call

Q3. Discuss the causes behind the rise of revolutionary terrorism during the National freedom Movement. Also, discuss its impacts. 150 words

1857 के क्रांतिकारी संघर्ष के [illegible] में पुनः क्रांतिकारी गतिविधियों का प्रारंभ [illegible] व 1924-1932 के दो कालो के बीच हुआ।

good introduction
good Use of the time line

कारण।

सामाजिक
→ अंग्रेजी की तुष्टिकरण नीति
→ धार्मिक सांप्रदायिकता का बीज बोने के प्रयास से आहत → बंगाल विभाजन

international events like rise of IRA

आर्थिक
→ असमय [illegible] नीतियाँ
→ कृषि वाणिज्यीकरण ⇒ अकालों की [illegible]
→ वही → सरकारी सहायता नहीं
→ ड्रेन ऑफ वेल्थ का [illegible]
→ राजस्व व भू-राजस्व [illegible] नीतियाँ से जनमानस त्रस्त।

nicely explaines

divide and rule philosophy of the Britishers

राजनीतिक → प्रथम-चरण
→ स्वदेशी आंदोलन का दमन
→ तिलक जैसे उग्र नेताओं को जेल में डालना
→ नेतृत्वहीनता → लाल-बाल-पाल दोनों निष्क्रिय हुए

rise of nationalism under the guidance of Swami Vivekananda

अनुशीलन समिति, मित्र मेला जैसे क्रांतिकारी गुटों द्वारा निरंतर प्रयास

also barrach dacoity and jallaiah wala bagh hatya kand

rowllat act was passed

example of chapekar brothers have to be included

good structure and presentation

include year also without which u will not get marks in history question

4/10

Q4. Discuss the significance of 19th century reform movements at later stage in India. 250 words

19वीं शताब्दी भारतीय समाज - संस्कृति के पुनर्जागरण का [illegible] समाज [illegible] समाज को [illegible] स्वाधीनता आंदोलन को भी प्रभावित किया।

instead of this mention Indian society plagued by various evils in the 19th century representing a stagnant and backward society

सुधार आंदोलनों का महत्व

→ ब्रह्म समाज सुधार ने सती प्रथा व स्त्री अस्मिता - सशक्तीकरण पर जोर दिया।

→ स्वाधीनता आंदोलन में स्त्री => उषा मेहता, पंडिता रमाबाई, मार्गरेट [illegible], भीकाजी कामा जैसी कई सुधारक

raj Ram mohan Roy should be mentioned as father of Indian renaissance

→ आर्य समाज का धर्म संशोधन व शुद्धिकरण

[illegible] रूढ़िगतता की ओर प्रथम [illegible] क्रम → फुले - गांधी - अंबेडकर तक ने आवाज उठाई [illegible] आडंबरों व [illegible] ईश्वरवाद को बढ़ावा दिया

→ धार्मिक चेतना का विकास → सहिष्णुता

they come in the 20 th century

restrict urself to 19 th century

↳ स्वामी विवेकानंद का राष्ट्र व समाज के बीच संबंध स्थापना – "भूखे से धर्म की उम्मीद नहीं कर सकते, पहले उसका पेट भरो। उसके बाद क्रांति।"

good use of the quote

⇒ गांधी का सर्वोदय, लोहिया जी की सप्तक्रांति व समाजवादी इसी विचार पर

↳ सावित्रीबाई फुले व रमाबाई रानाडे जैसे महिला समाज व शिक्षा ... महिला अधिकारों के बारे में ... सुधार में वोटिंग अधिकार ...

ishwar Chandra Vidya Sagar for widow remarriage

↳ नारायण गुरु का 'एक जाति एक ईश्वर एक धर्म' ने भारतीय धर्मनिरपेक्षता का आधार मजबूत किया ⇒ भारतीय संविधान का मूल ढांचा तक बना।

↳ साथ ही नारोजी का ब्रिटिश इंडियन लीग, मद्रास महाजन सभा जैसे संगठनों ने उत्तर-दक्षिण भारत को आपस

these were political units not social reform organisation

मोहा व कांग्रेस जैसे संगठन का आधार बनाया।

↳ सैय्यद अहमद खां व ... व डेरोजियो जैसे विचारकों द्वारा वैज्ञानिक शिक्षा पर जोर ⇒ तर्कवाद व भारतीय शिक्षा पद्धति हेतु ... द्वारा वैज्ञानिक शिक्षा ढांचा अपनाना।

इस प्रकार 19वीं सदी आंदोलनों ने आने वाले ... का आधार बनाया जिन पर हमने स्वतंत्रता प्राप्त करने के साथ-साथ ... आधुनिक महाशक्ति बनने की ओर प्रयत्न हुए।

some of the acts of Britishers like
banning of sati 1829
widow remarriage act 1856
etc needs to be mentioned
work on content
structure and presentation are ok
4/15

Q5. Discuss the main features of Montagu-Chelmsford Reforms. Examine the reasons that they were rejected by most section of political opinion of that time. 250 words

introduction should be apt

montegue reforms were envisioned in 1919 for more proper association of Indian to British administration

this was a draw back not a reform

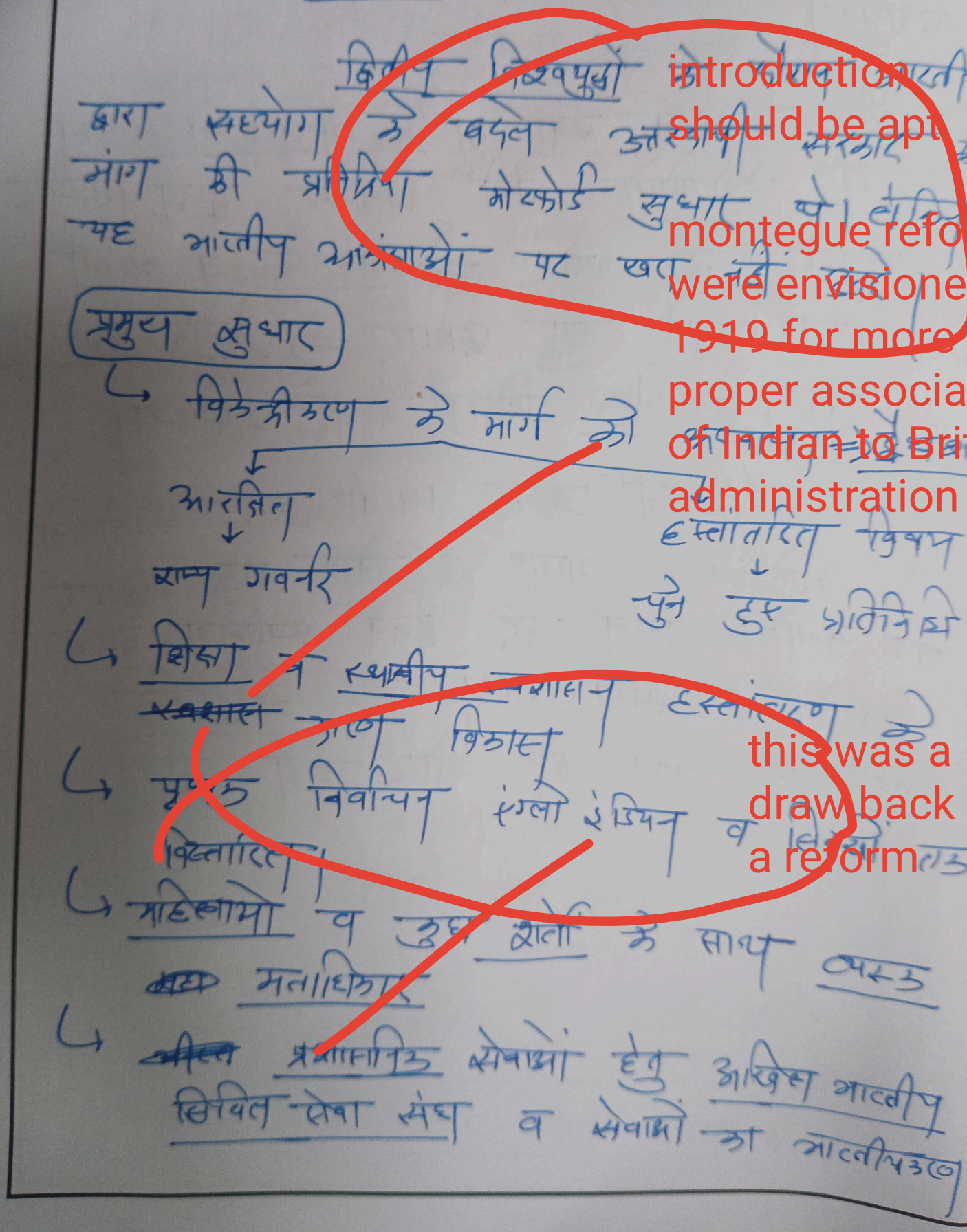

IAS Mentorship

By Reyaaat Ali & Team | 8090039080 Telegram WhatsApp Call

हेतु ली आयोग गठन (1926 में हुआ)।

↳ राज्य विधानमंडलों में सर्वप्रथम सदस्यों का बहुमत। ⇒ उत्तरदायी सरकार की ओर कदम।

good try to mention year with particular event

लेकिन आलोचना व अस्वीकारता का कारण

1) राज्य स्तर पर मुख्य विषय वित्त, ... भूमि जैसे विषय अभी भी आरक्षित

franchise was limited no proper expansion of it

2) पृथक निर्वाचन द्वारा सांप्रदायिकता का प्रसार

3) राज्य गवर्नरों का चुनी हुए सरकार के प्रति उत्तरदायी न होना

budget still cannot be discussed

4) केंद्रीय स्तर पर कोई उत्तरदायी सरकार गठन नहीं

5) निर्वाचन अधिकार केवल विशिष्ट वर्ग तक ही सीमित।

6) कांग्रेस की स्वराज्य / डोमिनियन स्टेटस मांग

की अनापूर्ति।

7) सामाजिक – आर्थिक कल्याणकारी कार्यक्रमों का बजटीय प्रावधान नहीं ⇒ बजट अधिकार अभी भी केन्द्र के पास

8) मंत्रियों की द्वैध भूमिका – "मैं कृषि मंत्री था लेकिन कृषि विभाग मेरे अधीन नहीं था, मैं वन मंत्री था लेकिन वन विभाग मेरे अधीन नहीं था।" के. वी. रेड्डी।

good

इस प्रकार मोंटफोर्ड सुधारों ने केवल अंग्रेजी शासन मजबूती हेतु प्रावधान किया तथा भारतीय जनमानस को उत्तरदायी शासन देने के नाम पर छलावा दिया।

good answer good use of the quote struxture and presentation are ok

7/15

Q6. British economic policies from second half of 19th century led to the rapid transformation of Indian economy into colonial economy. Discuss 250 words

intro should be more relevant like British colony policy made India from the largest exporter of commodities in the world around 1750 to biggest importer in 1857

most important was low import duties on finished goods and high export duties that rendered Indian good uncompetitive in international market

- संस्थागत वित्तीय संस्थानों की शुरुआत
  - बैंक, बीमा आदि संस्थानों और से पूंजीपतियों को लाभ
- 1861 के भारत परिषद सुधार अधि. द्वारा
  - कम्पनीय प्रावधान ⇒ सरकार द्वारा अंग्रेजी हित वाले क्षेत्रों में निवेश प्रावधान

guaranteed return of 5 percent

प्रभाव →
- भारतीय लघु उद्योगों की समाप्ति
  - कृषि वाणिज्यीकरण के कारण अकाल – खाद्य संकट ⇒ ड्रेन ऑफ वेल्थ
- कृषि पर अत्यधिक दबाव ⇒ 1870 का भीषण अकाल
- बिचौलियों के मध्यमवर्ग का विकास किसान - खरीददार के बीच भारी लाभ
- भारत का केवल कच्चा माल उत्पादक के रूप में पहचान
- आंतरिक भागों तक परिवहन पहुँचने

loss of revenue

home charges

drain of wealth theory by Naroji

आत्मनिर्भर भारतीय अर्थव्यवस्था का ह्रास किया
↳ विदेशी बाजार के रुकरण ⇒ व्यापार प्रभावों का नकारात्मक असर ⇒ 1860 के बाद कीमत बढ़ोतरी में बिचौलियों को ही फायदा
↳ किसान व राजनीतिक आंदोलनों को बढ़ावा
↳ नील, पाबना, दक्कन जैसे प्रारंभिक आंदोलन

इस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था को उत्पादक से उपभोक्ता बनाकर ब्रिटिश रुपया पर आश्रित कर दिया गया जिसके आगे चलकर नकारात्मक प्रभाव ही रहे थे। वर्तमान में भी (लगभग 85% किसान सीमांत) के रूप में परिलक्षित होते हैं।

class of zamindar were created who exploited farmers only

can be better. it's a very broad question should cover other dimensions also. like how they donot promoted industrialisation and how Britishers made India a commodity market

2/15

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q7. Discuss the role of press in the building of nationalism and freedom struggle of India. What present press organizations can learn from those in present time? 250 words

1770 में प्रेस के विकास के साथ ही इसने समाज-राजनीति के विभिन्न पहलुओं को जनता के समक्ष रखा और राष्ट्रवादी आंदोलन में जनतंत्र जुटाने में अहम भूमिका अदा की।

Bengal gazzatte the first newspaper of India

प्रेस की भूमिका - राष्ट्रवाद / स्वाधीनता आंदोलन में

- जनता का साक्षरीकरण ⇒ नीतियों की जानकारी
- ब्रिटिश राज्य की दमनात्मक नीतियों का भंडाफोड़ ⇒ भारतेन्दु की कविवचनसुधा
- राष्ट्रवादी माहौल को बनाने में ⇒ सुरेन्द्रनाथ बनर्जी का 'द बंगाली'
- भारतीय जनमानस की धार्मिक-राजनीतिक सामंजस्य हेतु प्रयास - केसरी ने शिवाजी उत्सव, गणेश उत्सव का आह्वान किया
- गांधी का 'यंग इंडिया' ⇒ सरकार-जनता के बीच वार्तालाप का जरिया बना

criticizing government.

vernacular press act 1878 needs to be mentioned

samod kumudi of Raja Ram mohan for social reforms

↳ राजनीतिक कार्यविधि व मॉड्यूल का प्रसारण जनता तक कर ⇒ जनता-नेताओं के बीच सेतु का कार्य

↳ सत्याग्रह, अहिंसा, सहिष्णुता आदि के भावों को जनता को समझाने में प्रयोग हुआ

↳ महिलाओं, दलितों की दयनीय स्थिति को मुख्य धारा में लाया ⇒ एनी बेसेंट का कामनवील

↳ संपूर्ण भारत के नेताओं को आपस में जोड़ने व एकरूपता लाने का कार्य ⇒ कांग्रेस निर्माण में सुरेन्द्रनाथ के अखबारों का महत्व।

explained the condition of India ro the international market also

अत: इनकी सकारात्मक भूमिका को आज के अखबार-पत्रकारों को सीखने की जरूरत है

① कट्टरता व सनसनीखेज न्यूज के बजाय सकारात्मकता पर जोर

② विचारधारा की ओर मुड़कर एक ही पक्ष का उद्घाटन से सच को बचाना

unbiased opinion

↳ संवेदनशील वर्गों के प्रति विशेष दृष्टिकोण का विकास कर → सरकारों पर दबाव बनाए,

↳ आधुनिक नवाचारों यू-ट्यूब, फेसबुक आदि संचार माध्यमों द्वारा समाज के निचले स्तर तक पत्रकारिता को पहुंचाना।

↳ देश के प्रति सम्मान के साथ समस्याओं का एक मौलिक समाधान हेतु लोगों के प्रयासों को भी आगे लाना/ जागरण में घुसने वाला "नवाचार केंद्र"।

↳ जनता का मुखपत्र व सरकार को जवाबदेही बनाना

इस प्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ ने 19वीं सदी से ही जो भूमिका निभाई है उसे आगे बढ़ाते हुए सत्यनिष्ठा के साथ देश-निर्माण हेतु कार्य करने की जरूरत है।

raising awareness about issues like unemployment poverty inflation

good answer

good content

vernacular press act of lord Lytton have to be mentioned

good presentation

6/15